Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Booklet 1

राजस्थान एटलस डॉट कॉम की प्रस्तुती

www.RajasthanAtlas.com

राजस्थान

सामान्य परिचय

कुल पृष्ठ 17

कुल तथ्य 500+

राजस्थान क्विक रिविज़न सीरीज

आर.ए.एस, व्याख्याता,
द्वितीय व तृतीय श्रेणी शिक्षक,
ग्राम सेवक, पटवारी, कॉन्सटेबल
व विभिन्न अन्य परीक्षाओं हेतु
राजस्थान के सामान्य ज्ञान पर
विशेष सामग्री

Bharat Choudhary

Visit Us www.RajasthanAtlas.com

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

राजस्थान : सामान्य परिचय

सीमावर्ती जिले

- पाकिस्तान की सीमा (अन्तर्राष्ट्रीय सीमा/रेडक्लिफ रेखा) से लगने वाले राजस्थान के 4 जिले :– गंगानगर (210 किमी) - बीकानेर (168 किमी) - जैसलमेर (464 किमी) - बाड़मेर (228 किमी)
- राजस्थान के अन्तराज्यीय सीमावर्ती जिले :-
  - पंजाब (2) - गंगानगर-हनुमानगढ
  - हरियाणा (7) - हनुमानगढ-चुरु-झुंझुनू-सीकर-जयपुर-अलवर-भरतपुर
  - उतरप्रदेश (2) - भरतपुर-धौलपुर
  - मध्यप्रदेश (10) - धौलपुर-सवाईमाधोपुर-करौली-कोटा-बारां-झालावाड़-भीलवाड़ा-चितौड़गढ-बांसवाड़ा-प्रतापगढ
  - गुजरात (6) - बाड़मेर-जालौर-सिरोही-उदयपुर-डूंगरपुर-बांसवाड़ा
- राजस्थान के वे चार जिले जो दो-दो राज्यों के साथ राजस्थान की अन्तर्राज्यीय सीमा बनाते है -
  - हनुमानगढ - पंजाब-हरियाणा
  - भरतपुर - हरियाणा-उतरप्रदेश
  - धौलपुर - उतरप्रदेश-मध्यप्रदेश
  - बांसवाड़ा - मध्यप्रदेश-गुजरात
- राजस्थान के वे दो जिले जो अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय दोनों प्रकार की सीमाएं बनाते हैं -
- गंगानगर - पाकिस्तान व पंजाब
- बाड़मेर - पाकिस्तान व गुजरात
- राजस्थान का एकमात्र ऐसा जिला जो मध्यप्रदेश के साथ दो बार अन्तर्राज्यीय सीमा बनाता है - कोटा (पहली बार सवाई माधोपुर व बारां के बीच, जबकि दूसरी बार झालावाड़ व चितौड़गढ के बीच कोटा मध्यप्रदेश से लगता हैं)
- मध्यप्रदेश के साथ सबसे लंबी सीमा बनाने वाला जिला – झालावाड़
- मध्यप्रदेश के साथ सबसे कम सीमा बनाने वाला जिला - भीलवाड़ा
- राजस्थान के कुल कितने जिले अन्तर्राज्यीय सीमा बनाते है — 23
- राजस्थान के कुल कितने जिले केवल अन्तर्राज्यीय सीमा बनाते है — 21
- राजस्थान के कुल कितने जिले अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाते है — 4
- केवल अन्तर्राष्ट्रीय सीमावर्ती जिले — 2 (जैसलमेर व बीकानेर)
- राजस्थान के कुल कितने जिले अन्तर्राज्यीय व अन्तर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की सीमाएं बनाते है — 2 (गंगानगर व बाड़मेर)
- राजस्थान के कुल कितने जिले अत्तर्राज्यीय व अन्तर्राष्ट्रीय सीमा में से कोई एक बनाते है – 25
- राजस्थान में ऐसे जिलों की संख्या जो न तो अन्तर्राज्यीय और न ही अन्तर्राष्ट्रीय प्रकार की सीमा बनाते है अर्थात अंतवर्ती जिले – 8(नागौर-पाली-अजमेर-जोधपुर-टोंक-दौसा-राजसमंद-बूंदी)
- पाकिस्तान के साथ सबसे लंबी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा वाला जिला – जैसलमेर (464 किमी)
- पाकिस्तान के साथ सबसे छोटी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा वाला जिला – बीकानेर (168 किमी)
- गुजरात के साथ सबसे छोटी सीमा बनाने वाला जिला – बाड़मेर
- राजस्थान की सबसे लंबी अन्तर्राज्यीय सीमा किस राज्य के साथ लगती है — मध्यप्रदेश (1600 किमी)
- राजस्थान की पाकिस्तान के साथ लगने वाली अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की लंबाई है — 1070 किमी
- राजस्थान की पाकिस्तान के साथ लगने वाली अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का प्रारंभिक स्थल है – गंगानगर जिले का 'हिंदूमलकोट' स्थान

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

राजस्थान : सामान्य परिचय

- राजस्थान की पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा का अंतिम स्थल है – बाड़मेर जिले का शाहगढ गांव
- राजस्थान की सीमा से लगने वाले राज्यों की संख्या अर्थात राजस्थान की सीमा कितने राज्यों से लगती है — 5 (पंजाब-हरियाणा-उतरप्रदेश-मध्यप्रदेश-गुजरात)
- राजस्थान के सीमावर्ती राज्य
  - उतरी सीमा पर - पंजाब-हरियाणा
  - उतरी-पूर्वी सीमा पर - हरियाणा
  - पूर्वी सीमा पर - उतरप्रदेश
  - दक्षिण व दक्षिण-पूर्वी सीमा पर - मध्यप्रदेश
  - दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम सीमा पर - गुजरात
- राजस्थान की सबसे छोअी अंतर्राज्यीय सीमा किस राज्य से लगती है – पंजाब (80किमी)
- राजस्थान की कुल स्थलीय सीमा/पूरा घेरा (परिधि) कितने किमी है – 5920 किमी (4850 अन्तर्राज्यीय सीमा + 1070 अंतर्राष्ट्रीय सीमा)
- राजस्थान की सीमा से लगने वाले राज्यों के जिले
  - गुजरात (5) - कच्छ-बनासकांठा-साबरकांठा-पंचमहल-दाहोद
  - मध्यप्रदेश (10) - झाबुआ-रतलाम-मंदसौर-श्योपुर-शिवपुरी-शाजापुर-नीमच-मुरैना-राजगढ-गुना
  - उतरप्रदेश (2) - मथुरा व आगरा
  - हरियाणा (7) - भिवानी-फतेहाबाद-सिरसा-हिसार-महेंद्रगढ-गुड़गांव-रेवाड़ी
  - पंजाब (2) - मुक्तसर-फिरोजपुर
  - पाकिस्तान के प्रांत :- सिंध व पंजाब - खैरपुर-मीरपुर (सिंध); बहावलपुर (पंजाब)
- गंगानगर व बीकानेर की सीमा से लगने वाला पाकिस्तान का जिला – बहावलपुर
- राजस्थान का वह जिला जिसका भौगोलिक व सांस्कृतिक वातावरण उतरप्रदेश व मध्यप्रदेश दोनों राज्यों से मिलता है – धौलपुर
- सबसे लंबी अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला जिला — झालावाड़
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा के सर्वाधिक निकट स्थित शहर है — गंगानगर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगने वाले जिलों में पाकिस्तान से सर्वाधिक दूर स्थित शहर है — बीकानेर
- छोटी अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाले जिले है — सीकर-जयपुर-सवाईमाधोपुर-भीलवाड़ा-बाड़मेर
- राजस्थान की दक्षिणी सीमा पर स्थित राज्य है – मध्यप्रदेश व गुजरात
- राजस्थान की उतरी सीमा पर स्थित राज्य है — पंजाब-हरियाणा
- राजस्थान किस राज्य की दक्षिण-पश्चिम सीमा पर स्थित है — हरियाणा के
- किस राज्य की उतरी व उतरी पूर्वी सीमा राजस्थान से लगती है — गुजरात
- राजस्थान की कुल 4850 किमी लंबी अंतर्राज्यीय सीमा है जो पांच राज्यों से लगती है।

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

परस्पर सीमावर्ती

- राजस्थान का वह जिला जिसके साथ सबसे अधिक अन्य जिलों की सीमा लगती है/सर्वाधिक जिलों का सीमावर्ती जिला — पाली (8 जिलों का सीमावर्ती)
  (नागौर-जोधपुर-बाड़मेर-जालौर-सिरोही-राजसमंद-उदयपुर-अजमेर)
- राजस्थान के वे जिले जिनकी सीमा अन्य सात जिलों से लगती है – नागौर-जयपुर-उदयपुर
- राजस्थान के 6 ऐसे जिले जिनकी सीमा केवल दो-दो जिलों से लगती है –
  गंगानगर (हनुमानगढ व बीकानेर)
  झुंझुनू (चुरु व सीकर)
  बारां (कोटा व झालावाड़)
  झालावाड़ (कोटा व बारां)
  डूंगरपुर (उदयपुर व बांसवाड़ा)
  धौलपुर (करौली व भरतपुर)
- संलग्न जिलों का समूह है
  (अ) सिरोही-पाली-नागौर (ब) झुंझुनू-जयपुर-अलवर
  (स) जालौर-बाड़मेर-बीकानेर (द) बूंदी-झालावाड़-बारां उत्तर — (अ)
- कौनसा समूह परस्पर एक दूसरे के सीमावर्ती नहीं है
  (अ) चुरु-नागौर-सीकर (ब) सिरोही-पाली-नागौर
  (स) जयपुर-टोंक-अजमेर (द) सवाई माधोपुर-करौली-बारां उत्तर – (ब)
- परस्पर बहुत छोटी सीमा बनाने वाले जिला युग्य :-
  पाली-बाड़मेर, जयपुर-सवाईमाधोपुर, टोंक-भीलवाड़ा, टोंक-कोटा
  उदयपुर-बांसवाड़ा, चितौड़गढ-बूंदी, भरतपुर-धौलपुर
- परस्पर बहुत लंबी सीमा बनाने वाले जिला युग्म :-
  जैसलमेर-बाड़मेर, जैसलमेर-जोधपुर, जोधपुर-पाली
  जोधपुर-नागौर, बाड़मेर-जालोर, चुरु-बीकानेर
  चुरु-हनुमानगढ गंगानगर-हनुमानगढ गंगानगर-बीकानेर
  सीकर-झुंझुनू
- बीकानेर की सबसे छोटी सीमा हनुमानगढ से लगती है।
- निम्न जिला युग्म परस्पर सीमावर्ती नहीं है
  जालौर-जोधपुर टोंक-दौसा अजमेर-बूंदी बूंदी-सवाई माधोपुर
  अलवर-झुंझुनू दौसा-धौलपुर सिरोही-राजसमंद डूंगरपुर-प्रतापगढ
  भरतपुर-सवाईमाधोपुर धौलपुर-सवाई माधोपुर
- कम से कम कितने जिलों से होकर :-
  बाड़मेर से जयपुर आ/जा सकते है - 2 : पाली-अजमेर
  गंगानगर से जयपुर आ/जा सकते है - 2 : बीकानेर-नागौर
  जोधपुर से उदयपुर - 1 : पाली
  अजमेर से उदयपुर - 1 : पाली
  गंगानगर से बांसवाड़ा आ/जा सकते है - 4 : बीकानेर-जोधपुर/नागौर-पाली-उदयपुर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

जिलों की भौगोलिक अवस्थिति एवं विस्तार

- उत्तरी राजस्थान के जिले
  : गंगानगर-हनुमानगढ-चुरु-बीकानेर
- दक्षिण राजस्थान के जिले
  : उदयपुर-डूंगरपुर-बांसवाड़ा-प्रतापगढ-राजसमंद-चितौड़गढ-भीलवाड़ा
- पूर्वी राजस्थान के जिले
  : अजमेर (मध्यपूर्वी) - जयपुर-दौसा-सीकर-झुंझुनू-अलवर-भरतपुर-धौलपुर-सवाईमाधोपुर-करौली-टोंक (सीकर-झुंझुनू-अलवर — उत्तरी-पूर्वी राजस्थान)
- पश्चिमी राजस्थान के जिले
  : जोधपुर-नागौर-पाली-जैसलमेर-बाड़मेर-जालोर-सिरोही
- दक्षिण-पूर्व राजस्थान के जिले
  : कोटा-बूंदी-बारां-झालावाड़
- प्यालेनुमा आकार वाला जिला :- सीकर
- उत्तर-दक्षिण विस्तार वाले जिले —
  : सिरोही, बांसवाड़ा, प्रतापगढ, चितौड़गढ, राजसमंद, भरतपुर, अलवर, जयपुर, कोटा, दौसा, करौली, सवाईमाधोपुर
- उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिमी/दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (उत्तर-दक्षिण) विस्तार वाले जिले —
  : पाली, जालोर, चुरु, गंगानगर, धौलपुर
- दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम (उ.प. से द.पूर्व) विस्तार वाले जिले —
  : जोधपुर, उदयपुर, हनुमानगढ
- पूर्व-पश्चिम विस्तार वाले जिले —
  : नागौर, बाड़मेर, भीलवाड़ा
- उत्तर-दक्षिण व पूर्व पश्चिम दोनों दिशाओं में लगभग समान विस्तार वाले जिले – जैसलमेर, झुंझुनू, टोंक, बूंदी
- जयपुर, कोटा, झालावाड़, बारां, अजमेर व राजसमंद जिले का कुछ भाग एक लंबी पट्टी के रुप में फैला हुआ है।
- सीकर, झुंझुनू व दौसा आदि जिले धनुषाकृति में विस्तृत है।
- त्रिभुजाकृति में विस्तृत जिला है — डूंगरपुर
- कर्क रेखा राजस्थान के किस जिले से होकर गुजरती है — बांसवाड़ा
- राजस्थान की आकृति है — विषम चतुष्कोणीय/पतंगाकार
- राजस्थान का वह जिला जिसका कुछ भाग कर्क रेखा के दक्षिण में है — बांसवाड़ा
- कर्क रेखा राजस्थान के कितने जिलों से होकर गुजरती है — एक
- राजस्थान में कर्क रेखा के सर्वाधिक नजदीक स्थित शहर है — बांसवाड़ा
- राजस्थान में कर्क रेखा से सर्वाधिक दूर स्थित शहर है — गंगानगर

- 23°3' उत्तरी अक्षांश रेखा ..... जिले से होकर गुजरती है। (बांसवाड़ा)
  30°12' उत्तरी अक्षांश रेखा ..... जिले से होकर गुजरती है। (गंगानगर)
  69°30' पूर्वी देशांतर रेखा ..... जिले से होकर गुजरती है। (जैसलमेर)
  78°17 पूर्वी देशांतर रेखा ..... जिले से होकर गुजरती है। (धौलपुर)
  23°30' उत्तरी अक्षांश रेखा ..... जिले से होकर गुजरती है। (बांसवाड़ा)

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

राजस्थान : सामान्य परिचय

- राजस्थान में 23 ˚30' उतरी अक्षांश रेखा बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ नामक स्थान से होकर गुजरती है। जिसे कर्क रेखा भी कहते है। यह बांसवाड़ा व डूंगरपुर के मध्य सीमा बनाती हुई गुजरती है।

राजस्थान की भौगोलिक अवस्थिति विस्तार एवं प्राकृतिक विभाग

- राजस्थान भारत के उतर-पश्चिम भाग में स्थित है।
- राजस्थान का सीमा निर्धारण :-

पश्चिमी व उतरी-पश्चिमी दिशा में	-	पाकिस्तान
उतर दिशा में	-	पंजाब
उतर-पूर्व दिशा में	-	हरियाणा
पूर्वी दिशा में	-	उतरप्रदेश
दक्षिण-पूर्व व दक्षिण में	-	मध्यप्रदेश
दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम में	-	गुजरात

- राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा — पश्चिमी व उतर-पश्चिमी में विस्तृत है।
- राजस्थान की आकृति :— विषम चतुष्कोणीय अर्थात पतंगाकार है।

उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश

- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का विस्तार : अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी ढाल से भारत-पाक की अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक लगभग 2 लाख 9 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में है।
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार मरुस्थल) का क्षेत्रफल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 61.11 प्रतिशत है।
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार मरुस्थल) में राजस्थान की 30 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
- राजस्थान का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा प्राकृतिक विभाग — उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार मरुस्थल)
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का पूर्वी भाग कहलाता है — मारवाड़
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का पश्चिमी भाग कहलाता है — थार का मरुस्थल
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का बालुका रहित क्षेत्र है/ बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र — पोकरण, द. प. फलौदी व जैसलमेर के चारों ओर का क्षेत्र
- पथरीले मरुस्थल को 'हम्माद' व मिश्रित (चट्टानी) मरुस्थल को 'रैग' कहा जाता है।
- रेतीले मरुस्थल का विस्तार किन-किन जिलों में है — जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर
- पथरीले मरुस्थल (हम्माद) का विस्तार है –
  जोधपुर-जैसलमेर-बाड़मेर-जालौर जिले का कुछ भाग
- शुष्क मरुस्थलीय भाग का विस्तार —
  जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर-जोधपुर-जालौर
- अर्द्ध शुष्क मरुस्थलीय भाग का विस्तार व इनके उपभाग

नागौरी उत्त्च भूमि	- नागौर
शेखावाटी क्षेत्र	- चुरु-झुंझुनू-सीकर
घग्घर क्षेत्र	- गंगानगर-हनुमानगढ
लूनी-जवाई बेसिन	- जालौर-सिरोही-पाली

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

राजस्थान : सामान्य परिचय

- लूनी-जवाई बेसिन को किस क्षेत्र के नाम से जाना जाता है — गौड़वाड़ से
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश की सीमा 644 किमी व पूर्वी सीमा 360 किमी लंबी है।
- अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी भाग अर्थात उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश में आने वाले जिलों की संख्या ——— 13 जिले
- जैसलमेर के उतर व पोकर के दक्षिण में फैले 'बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र' को कहते है — रन
- थार मरुस्थल में बालुका स्तूपों के बीच में कहीं-कहीं निम्न भूमि मिलती है जिसमें वर्षा का जल भर जाने से अस्थायी झीलों का निर्माण हो जाता है, इन्हे कहा जाता है — रन या टाट
- राजस्थान के किन दो जिलों में 'रन' का बाहुल्य है —— जैसलमेर व जोधपुर में
- संपूर्ण रेतीला मरुस्थल कहलाता है — इर्ग
- प्राचीन काल में थार मरुस्थल टैथिज महासागर का भाग था।
- थार मरुस्थल में पवनों की दिशा के समानान्तर बनने वाले अनुदैर्ध्य बालुका स्तूपों का सर्वाधिक विस्तार किस जिले में है — जैसलमेर में
- थार मरुस्थल में पवनों की दिशा के लंबवत या समकोण बनाने वाले 'अनुप्रस्थ बालुका स्तूपों' का सर्वाधिक विस्तार वाला जिला है — बाड़मेर
- राजस्थान का पूर्णतः वनस्पति रहित क्षेत्र समगांव (सम के धोर) किस जिले में स्थित है — जैसलमेर
- राजस्थान में पूर्ण मरुस्थल वाले दो जिले —— जैसलमेर-बाड़मेर
- उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश के लगगभ 58 से 60 प्रतिशत भू भाग पर बालूका स्तूपों का विस्तार है।
- राजस्थान का 60 प्रतिशत से अधिक भाग (61.11 प्रतिशत) मरुस्थलीय है।
- राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वारा घोषित राजस्थान के 12 मरुस्थलीय जिले –
  1. गंगानगर, 2. हनुमानगढ, 3.बीकानेर, 4.चुरु, 5. झुंझुनू, 6. सीकर, 7.नागौर, 8. जोधपुर, 9.जैसलमेर, 10. पाली, 11. बाड़मेर, 12. जालौर
- राजस्थान के उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार मरुस्थल) में पाये जाने वाले अर्द्ध चंद्राकार बालूका स्तूप, जो श्रृंखलाओं में गतिशील एवं मरुस्थल के प्रसार हेतु सर्वाधिक उतरदायी होते है, कहलाते है ——— बरखान
- जैसलमेर जिले के रुद्रवा व रामगढ में चट्टानी/मिश्रित मरुथल पाया जाता है।
- थार मरुस्थल की उत्पति का सबसे प्रभावशाली कारण है — शुष्कता में वृद्धि
- राजस्थान का थार मरुस्थल पर्मोकार्बोनिफेरस युग में टैथिज सागर का अंग था, इस तथ्य की पुष्टि करने वाले तत्व है — आकल जीवाश्म पार्क, जलोद्भिद तलछट व लिग्नाइट, खनिज तेल और प्राकृतिक गैस का जमाव आदि।
- राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मुख्य कारण है — भूमि का अलाभप्रदकर उपयोग
- अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में स्थित 13 जिलों में से सिरोही को छोड़कर शेष सभी मरुस्थलीय है।
- राजस्थान का थार मरुस्थल अरावली पर्वतमाला के/से उतर-पश्चिम दिशा में विस्तृत है।
- राजस्थान के उतरी-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश का सामान्य ढाल पूर्व से पश्चिम तथा उतर से दक्षिण की ओर है।
- राजस्थान का सबसे शुष्क स्थान — फलौदी
- थार मरुस्थल पेलियो आर्कटिक अफ्रीका मरुस्थल का ही पूर्वी भाग है।
- शेखावाटी क्षेत्र में स्थित दो प्रमुख रन क्षेत्र — तालछापर व परिहारा

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

- रन का सर्वाधिक बाहुल्य वाला जिला है —— जैसलमेर
- किस जिले में सभी प्रकार के बालुका स्तूप देखने को मिलते है — जोधपुर
- राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान में लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र पर बालूका स्तूप पाए जाते है।
- बरखान — अर्द्धचंद्राकार आकृति के गतिशील बालूका स्तूप
- राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान की शैले किस भू-गर्भिक काल की है — जुरैसिक व इयोसिन युग की
- घग्घर मैदान गंगानगर जिले के 3/4 भाग में विस्तृत है।
- 'खड़ीन' : जैसलमेर के उतरी भाग में बड़ी संख्या में स्थित प्लाया झीलें, जो प्रायः निम्न कगारों से घिरी रहती है।
- रन : बालूका स्तूपों के बीच की निम्न भूमि में वर्षा जल के भर जाने से निर्मित अस्थाई झीले व दलदली भूमि
- प्रमुख रन
  - जैसलमेर - कनोड़, बरमसर, भाकरी, पोकरण, लवा
  - जोधपुर - बाप
  - बाड़मेर - थोब
  - शेखावाटी - तालछापर व परिहारा
- मरु त्रिकोण (डेजर्ट ट्राएंगल) — जोधपुर-जैसलमेर-बीकानेर

मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश

- भारत में अरावली का विस्तार – उतर-पूर्व में दिल्ली के पास से दक्षिण-पश्चिम में गुजरात में पालनपुर तक
- विश्व की सबसे प्राचीन वलित पर्वतमाला अरावली की उत्पति का काल – प्री कैम्ब्रियन (पेलियोजोइक) काल
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला का विस्तार
  अरावली पर्वतमाला राजस्थान के लगभग मध्य से दक्षिण-पश्चिम से उतर-पूर्व की ओर सिरोही जिले से झुंझुनू जिले के सिंघाना तक तथा सिंघाना से दक्षिण की ओर अलवर तक विस्तृत है।
- अरावली पर्वतमाला के विस्तार की दिशा — दक्षिण-पश्चिम से उतर-पूर्व की ओर
- मध्यवर्ती अरावली का पर्वतीय भाग क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का दूसरा सबसे छोटा प्राकृतिक विभाग है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल के लगभग 9 प्रतिशत भाग पर फैला हुआ है।
- अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई — 692 किमी
- अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई का 80 प्रतिशत भाग राजस्थान में है।
- राजस्थान में संपूर्ण अरावली पर्वतमाला की औसत ऊंचाई समुद्रतल से 930 मीटर है।
- उतरी अरावली क्षेत्र/श्रृंखला का विस्तार :- सांभर झील से उतर-पूर्व की ओर सिंघाना(झुंझुनू) तक व सिंघाना से दक्षिण की ओर अलवर तक
- मध्य अरावली क्षेत्र का विस्तार :- सांभर से देवगढ (राजसमंद) तक (मुख्यतः अजमेर मे
- द. अरावली क्षेत्र का विस्तार :- देवगढ से दक्षिण-पश्चिम की ओर सिरोही (गुजरात सीमा) तक
- उतरी अरावली श्रृंखला कम चौड़ी, कम ऊंची व अधिक टूटी हुई है।
- दक्षिण अरावली श्रृंखला अधिक ऊंची व अधिक चौड़ी है।

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

- उतरी अरावली श्रृंखला की प्रमुख ऊंची पर्वत चोटियां -
  रघुनाथगढ (सीकर) भरौच (अलवर) बाबाई (जयपुर)
  हर्ष मालकेतु व लोहार्गल (झुंझुनू)
- सांभर झील से दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम की ओर बढने पर अरावली पर्वतमाला की ऊंचाई व चौड़ाई बढती जाती है।
- मध्या अरावली क्षेत्र का अधिकांश भाग अजमेर जिले में विस्तृत है।
- मध्य अरावली क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी — तारागढ (अजमेर)
- दक्षिण अरावली क्षेत्र/अरावली पर्वतमाला की प्रमुख ऊंची चोटियां — गुरुशिखर (मा. आबू-सिरोही), सेर, जरगा, अचलगढ, कुंभलगढ
- अरावली पर्वतमाला की (राजस्थान की) सबसे ऊंची पर्वत चोटी — गुरुशिखर (आबू पर्वत)
- अरावली पर्वतमाला की सर्वोत्त्च पर्वत चोटी गुरु शिखर की ऊंचाई — 1722 मीटर
- अरावली पर्वतमाला की सर्वोत्त्च पर्वत चोटी गुरु शिखर कहां स्थित है — माउंट आबू (सिरोही)
- अरावली पर्वतमाला (राजस्थान) की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी — सेर (1597 मीटर)
- पूर्वी एवं उतरी-पूर्वी राजस्थान की सबसे ऊंची पर्वत चोटी — रघुनाथगढ (सीकर)
- उदयपुर जिले में कुंभलगढ व गोगुंदा के बीच स्थित 1225 मीटर ऊंचे पठार को कहा जाता है — भोराठ का पठार
- चितौड़गढ का किला 620 मीटर ऊंचे मेसा पठार पर स्थित है।
- राजस्थान का दूसरा सबसे ऊंचा पठार — आबू पर्वत
- अरावली पर्वतमाला किस नदी प्रणाली द्वारा बीच से विभाजित है — लूनी व बनास
- अरावली पर्वतमाला ने राजस्थान को दो भागों में बांट दिया है इसमें राजस्थान का उतरी-पश्चिमी भाग लगभग 60 प्रतिशत व दक्षिण-पूर्वी भाग लगभग 40 प्रतिशत है।
- अरावली पर्वतमाला के किस भाग में सर्वाधिक अंतराल (गैप) विद्यमान है — मध्य अरावली
- अरावली पर्वतमाला की सर्वाधिक ऊंचाई एवं चौड़ाई किस क्षेत्र में विद्यमान है — दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला के विस्तार की दिशा है — दक्षिण-पश्चिम से उतर-पूर्व की ओर
- अरावली पर्वतमाला किसका अवशेष/भाग है — गोडवाना लैंड का
- अरावली पर्वतमाला का विस्तार राजस्थान के कितने जिलों में है — 17 जिलों में (सिरोही, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ, चितौड़गढ, भीलवाड़ा, राजसमंद, टोंक, अजमेर, पाली, नागौर, जयपुर, दौसा, सीकर, झुंझुनू व अलवर)
- अरावली पर्वतमाला संपूर्ण उदयपुर व डूंगरपुर जिलों में तथा शेष 15 जिलों के कुछ भागों में फैली हुई है।
- अरावली पर्वतमाला की तीसरी एवं उदयपुर जिले में स्थित सर्वोत्त्च पर्वत चोटी — जरगा
- बाड़मेर जिले के सिवाना ग्रेनाइट पर्वतीय क्षेत्र में स्थित गोलाकार पहाड़ियों को कहा जाता है — छप्पन की पहाड़िया
- अरावली पर्वतमाला राजस्थान में महान जल विभाजक का कार्य करती है।
- अरावली पर्वतमाला में स्थित प्राकृतिक दर्रे (पहाड़ी मार्ग) जिनको कहा जाता है — नाल
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक विस्तार किस जिले में है — उदयपुर में
- सिरोही जिले में गुरुशिखर पर्वत के नीचे स्थित पठार — उड़िया
- अरावली पर्वतमाला की किस जिले में सर्वाधिक ऊंचाई है — सिरोही

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary
Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

राजस्थान : सामान्य परिचय

- अरावली पर्वतमाला का सर्वाधिक महत्व है क्योंकि
  - यह उत्तर-पश्चिम में फैल थार मरुस्थल को दक्षिण-पूर्व की ओर बढने से रोकती है।
  - पर्वतीय ढालों पर वन तथा चारागाह क्षेत्र है, इन वनों के कारण इन क्षेत्रों में अधिक वर्षा होती है।
  - अरावली पर्वत श्रृंखला में अनेक असाधारण एवं महत्वपूर्ण खनिज है।
- यदि अरावली पर्वत श्रृंखला की स्थिति दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर न होकर दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर होती तो राजस्थान पर इसका क्या प्रभाव पड़ता
  — राजस्थान के अधिकांश भागो में भारी वर्षा होती
- अरावली पर्वत श्रृंखला के प्रमुख प्राकृतिक दर्रे (नाल) :-
  देसूरी, हाथी दर्रा, बर, सोमेश्वर, पिपली, हाथीगुड़ा, सरुपागाट, दिवेर, कत्तवाली
- उत्तर में हिमालय पर्वत से दक्षिण भारत में नीलगिरी पर्वतमाला के मध्य स्थित सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है — गुरु शिखर
- राजस्थान मे अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी व उतरी-पश्चिमी भाग में 13 तथा पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी भाग में 20 जिले अवस्थित है।
- सिरोही के पूर्वी क्षेत्र में अरावली की तीव्र ढाल वाली व ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियां स्थानीय भाषा मे क्या कहलाती है — भाकर
- राजस्थान के सर्वोत्त्च शिखर गुरुशिखर को कर्नल टॉड ने संतों का शिखर कहा।
- सीकर जिले में स्थित अरावली की पहाड़ियों को स्थानीय भाषा में मालखेत की पहाड़िया कहते है।
- छप्पन की पहाड़ियां - बाड़मेर
- उड़िया का पठार - सिरोही
- मालखेत की पहाड़िया - सीकर
- भोराठ का पठार - उदयपुर
- जिस दिशा में अरावली पर्वत श्रृंखला की उंचाई एवं चौड़ाई क्रमशः बढती जाती है वह है – उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम
- जिस दिशा में अरावली पर्वत श्रृंखला की उंचाई व चौड़ाई क्रमशः घटती जाती है, वह है – दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर
- अरावली पर्वतमाला का नाग पहाड़ स्थित है — अजमेर में

- <u>राजस्थान की/अरावली पर्वतमाला की सर्वोत्त्च पर्वत चोटियां -</u>

गुरुशिखर	- मा.आबू, सिरोही	- 1722 मीटर
सेर	- मा. आबू, सिरोही	- 1597 मीटर
जरगा	- उदयपुर	- 1431 मीटर
अचलगढ	- मा.आबू, सिरोही	- 1380 मीटर
रघुनाथगढ	- सीकर	- 1055 मीटर
खो	- जयपुर	- 920 मीटर
तारागढ	- अजमेर	- 873 मीटर
बाबाई	- जयपुर	- 873 मीटर
भैरोच	- अलवर	- 793 मीटर
बैराठ	- जयपुर	

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

राजस्थान : सामान्य परिचय

- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की चार सर्वाधिक ऊंची चोटियां (अवरोही क्रम)
  - गुरुशिखर (1722 मीटर)
  - सेर (1597 मीटर)
  - जरगा (1431 मीटर)
  - अचलगढ (1380 मीटर)
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की कितनी पर्वत चोटियों की उंचाई 1000 मीटर से ज्यादा है – 5
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की किन दो पर्वत चोटियों की उंचाई लगभग समान है – तारागढ (अजमेर) व बवाई (जयपुर)
- राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की सबसे उंची पहाड़ियां किन दो स्थानों के मध्य है — गोंगुंदा व कुंभलगढ के मध्य
- छप्पन की पहाड़िया किन दो जिलों की सीमा पर स्थित है — बाड़मेर - जालौर
- राजस्थान को दो भागों में बांटने वाला भौगोलिक तत्व है — अरावली पर्वत
- अरावली पर्वतमाला की सर्वाधिक उंचाई सिरोही जिले में है।
- मेरवाड़ा पहाड़ियां — अजमेर-नागौर-भीलवाड़ा
- राजस्थान का सबसे प्राचीन क्षेत्र – पहाड़ी भाग
- आबू पर्वत 19 किमी लंबा है।
- गुरुशिखर अचलगढ दुर्ग के पास स्थित है।
- राजस्थान का सबसे उंचा पठार — आबू का पठार
- अरावली पर्वतमाला का सुदूर दक्षिणी जड़-स्थल (उद्गम स्थल) जहां से यह प्रारंभ होती है - खेड़ ब्रह्मा, पालनपुर (गुजरात)
- पीडमांट मैदान : अरावली पर्वतश्रेणी में देवगढ (राजसमंद) के पास स्थित पृथक्क निर्जन पहाड़ियां जिनके उत्त्च भाग टीलेनुमा है।

मुकुंदवाड़ा की पहाड़ियां	- कोटा, झालावाड़
हर्ष की पहाड़ियां	- सीकर
मालाणी पर्वत	- जालौर, बालोतरा
त्रिकूट पहाड़ी	- जैसलमेर
चिडियाटूक पहाड़ी	- जोधपुर
आडावाला पर्वत	- बूंदी
भोराठ का पठार	- उदयपुर
मालखेत की पहाड़िया	- सीकर
सुंडा पर्वत	- भीनमाल
नाकोड़ा पर्वत/ छप्पन पहाड़ी	- सिवाना
नाग पहाड़	- अजमेर
मेसा पठार	- चितौड़गढ
लसाड़िया पठार	- उदयपुर
बीजासण का पहाड़	- मांडलगढ
विंध्याचल पर्वत	- राजस्थान के सुदूर दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश में स्थित

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary
Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

- मेरवाड़ा की पहाड़िया :- अरावली पर्वतमाला का टाटगढ के समीप का भाग जो मारवाड़ के मैदान को मेवाड़ के उत्त्च पठार से अलग करता है। मेरवाड़ा पहाड़िया अजमेर, नागौर व भीलवाड़ा में स्थित है।
- अरावली पर्वतीय क्षेत्र राज्य के लगभग 9 प्रतिशत भूभाग पर फैला हुआ है एवं इसमें राज्य की लगभग 10 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
- गुजरात में खेड़ब्रह्मा (पालनपुर) से दिल्ली तक अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई – 692 किमी
- अरावली पर्वतमाला राज्य के लगभग 29 प्रतिशत क्षेत्र में विद्यमान पारिस्थितिकीय दशाओं को प्रत्यक्ष रुप से प्रभावित करती है।
- भोराठ के पठार की सबसे उंची पर्वत चोटी है — जरगा
- अरावली पर्वतमाला खेड़ब्रह्मा से खेतड़ी तक श्रृंखलाबद्ध रुप में है।
- नाग पहाड़ (स्नैक माउंटेन) अजमेर व पुष्कर के बीच में है।
- दक्षिण अरावली के प्रमुख दर्रे :- सोमेश्वर-हाथीगुड़ा-देसुरी-गोरमघाट
- मेवाड़ में स्थित प्रमुख दर्रे (नाल)
  - 1- जीलवा की नाल (पगल्या नाल) - यह मारवाड़ से मेवाड़ आने का रास्ता प्रदान करती है।
  - 2- सोमेश्वर दर्रा - देसूरी (पाली) के उतर में स्थित विकट तंग दर्रा
  - 3- हाथीगुड़ा दर्रा - देसूरी (पाली) के दक्षिण में स्थित हाथीगुड़ा दर्रे से जयपुर-जोधपुर रेलमार्ग गुजरता है। कुंभलगढ दुर्ग इसी दर्रे के पास स्थित है।
  - 4- बर दर्रा - जोधपुर जिले में स्थित इस दर्रे से 'अजमेर-मारवाड़ जंक्शन-आबूरोड़' रेलमार्ग गुजरता है।
  - 5- गोरमघाट दर्रा - राजसमंद जिले में स्थित इस दर्रे से उदयपुर-जोधपुर रेलमार्ग गुजरता है।
- मारवाड़ के मैदान को मेवाड़ के उत्त्च पठारी भाग से अलग करने वाली पहाड़िया – मेरवाड़ा की पहाड़िया
- राजस्थान में पर्वतीय व पहाड़ी क्षेत्र का अधिकांश भाग सिरोही, उदयपुर व राजसमंद जिलों में है।
- उदयपुर में कुंभलगढ व गोगूंदा के बीच की भूमि भोराठ का पठार कहलाती है।

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary
Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

पूर्वी मैदानी प्रदेश

- राजस्थान के पूर्वी मैदानी प्रदेश का विस्तार --- राजस्थान का यह मैदानी भाग अरावली पर्वत श्रृंखला के उत्तर-पूर्व, पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व में फैला हुआ है।
- पूर्वी मैदानी प्रदेश में सम्मिलित जिले/मैदानी भू-भाग के जिले
  इस क्षेत्र में अलवर, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, जयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, बूंदी, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ, उदयपुर, चितौड़गढ व टोंक जिलों का कुछ भू-भाग
- पूर्वी मैदानी प्रदेश राजस्थान के कुल क्षेत्रफल के 23.3 प्रतिशत भू-भाग पर विस्तृत है जिसमें राजस्थान की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।
- जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा प्राकृतिक विभाग --- पूर्वी मैदानी प्रदेश
- धरातलीय विविधता के आधार पर पूर्वी मैदानी प्रदेश के तीन प्रमुख उपभाग
  (अ) चंबल बेसिन : यह क्षेत्र कोटा, बूंदी, झालावाड़, सवाई माधोपुर व धौलपुर जिले में विस्तृत है।
  (ब) बनास बेसिन : चितौड़गढ-राजसमंद-उदयपुर-भीलवाड़ा-टोंक व
  (स) दक्षिण अरावली बेसिन/मध्य माही बेसिन : माही नदी बेसिन को छप्पन का मैदान भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में बांसवाड़ा व चितौड़गढ जिलों के दक्षिणी भाग व उदयपुर का दक्षिण-पूर्वी भाग शामिल है।
- राजस्थान के पूर्वी मैदानी प्रदेश की पश्चिमी सीमा अरावली के पूर्वी किनारो उदयपुर के उत्तर तक फैली हुई है जबकि इस प्रदेश की दक्षिण-पूर्वी विंध्य पठार द्वारा बनाई जाती है।
- प्रतापगढ किस क्षेत्र का भाग है --- कांठल के मैदान का
- राजस्थान के पूर्वी मैदानी प्रदेश की ढाल है --- उत्तर-पूर्व की ओर
- राजस्थान के मैदानी भाग को ढाल के अनुसार कितने भागों में बांटा गया है --- 2 (छप्पन का मैदान, बनास का मैदान)
- छप्पन का मैदान --- बांसवाड़ा जिले में माही नदी बेसिन का क्षेत्र
- चंबल नदी बेसिन में स्थित उबड़-खाबड़ भूमि को डांग कहते है।
- बूंदी की आडावल पहाड़ी बनास बेसिन व कोटा के मैदान को अलग करती है।
- छप्पन का मैदान पूर्वी मैदानी प्रदेश का लघु भाग है।
- पूर्वी राजस्थान में पूर्ण रूप से 2 मैदानी जिले है --- भरतपुर-धौलपुर
- दक्षिण राजस्थान का सबसे प्रमुख मैदानी जिला है --- बांसवा ड़ा
- दक्षिण राजस्थान में आंशिक रूप से मैदानी 2 जिलों --- बांसवाड़ा व डूंगरपुर
- राजस्थान का पूर्वी मैदानी प्रदेश किस सागर का अवशेष माना जाता है --- टेथिज

दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग

- दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग राजस्थान का सबसे छोटा प्राकृतिक विभाग है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल के लगभग 7 प्रतिशत भाग पर विस्तृत है।
- यह मालवा के पठार का उतरी भाग है।
- राजस्थान के दक्षिण पूर्वी पठारी भाग को हाड़ौती का पठार भी कहते है।
- दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश में कोटा-बूंदी-बारां-झालावाड़-चितौड़गढ जिलों का अधिकांश भाग शामिल है।
- दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश की ढाल पूर्व की ओर है।
- दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश की ढाल पूर्व की ओर है।
- दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश के दो प्रमुख उपभाग है
  (अ) विंध्य कगार भूमि : पठार का उतरी पूर्वी भाग अर्थात धौलपुर-करौली व चंबल-बनास के बीच का क्षेत्र
  (ब) दक्कन लावा पठार : कोटा-बूंदी-बारां-झालावाड़-बांसवाड़ा अर्थात चंबल-कालीसिंध-पार्वती का त्रिकोणीय बेसिन
- राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित हाड़ौती के पठार का वास्तविक भाग लावा का पठार है। जो मेवाड़ मैदान के दक्षिण पूर्व में चंबल नदी के सहारे पूर्वी भाग में विस्तृत है।
- उपलब्ध क्षेत्र के प्रतिशत की दृष्टि से कौनसा जिला सर्वाधिक व्यर्थ पठारी भूमि क्षेत्र में आता है --- राजसमंद

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary
Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

- राज के किस क्षेत्र में विंध्य पठार का विस्तार है --- दक्षिण-पूर्वी
- चंबल-कालीसिंध व पार्वती के त्रिकोणीय बेसिन में आने वाला क्षेत्र है --- दक्कन का लावा पठार

अन्य

- राजस्थान के कौन-कौन से क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आते है --- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संपूर्ण अलवर जिला एवं भरतपुर जिले की डीग, पहाड़ी, कामां, नगर, कुम्हेर, भरतपुर एवं नदबई तहसीलें शामिल है।(अलवर व भरतपुर दोनों शहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आते है)
- कुल मिलाकर राजस्थान राज्य की कितने प्रतिशत भूमि पर मैदी क्षेत्र का विस्तार है --- 51 प्रतिशत
- तल्ली राजस्थान के किस भू-भाग में पाये जाते है --- पश्चिमी मरूस्थल
- राजस्थान के भौतिक विभागों में सर्वाधिक जैव विविधता वाला विभाग है --- उतरी-पश्चिमी मरूस्थली विभाग
- आकल : जैसलमेर के दक्षिण में स्थित आकल वुड फॉसिल पार्क जूनासकसई मॉसिन काल के वनस्पति अवशेष एवं जीवाश्म हेतु प्रसिद्ध है।
- सापेक्षिक दृष्टि से राजस्थान का कौनसा भू-आकृतिक प्रदेश अस्पष्ट अधर प्रवाह का क्षेत्र है --- दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार)
- करौली व धौलपुर जिलें में चंबल व बनास नदियों के प्रवाह क्षेत्र में स्थित भू-भाग का नाम --- विंध्याकगार भूमि
- कौनसा स्थान मारवाड़ का लघु माउंट आबू कहलाता है --- पीपलूद (बाड़मेर)
- राजस्थान का कौनसा अंचल वाग्वर प्रदेश कहलाता है --- दक्षिणाचंल
- थार मरूस्थल को मरू व अरावली पर्वतीय प्रदेश को मेरू के नाम से जाना जाता है।
- राजस्थान में पर्वतीय, पहाड़ी, पठारी व मैदानी में से किस क्षेत्र का विस्तार सर्वाधिक है --- मैदानी क्षेत्र का।
- संरचना की दृस्टि से राजस्थान के भौतिक स्वरूप देश के किन-किन भौतिक स्वरूपों के अंतर्गत आते है --- उतर का वृहत मैदान व प्रायद्विपीय पठारी भाग
- राजस्थान के कौन-कौन से स्थल रूप गौंडवाना लैंड के भाग है --- अरावली पर्वत श्रेणी व दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग
- राजस्थान का कौनसा स्थल रूप टैथिज महासागर का अवशेष है --- उतरी-पश्चिमी मरूस्थल प्रदेश, पूर्वी मैदानी प्रदेश, सांभर, डीडवाना व पचपदरा झीलें
- राजस्थान का दक्षिणी पश्चिमी भाग अर्थात राजस्थान कच्छ की खाड़ी से 225 किमी व अरब सागर से 400 किमी दूर है।
- राजस्थान का सबसे प्राचीन क्षेत्र --- पहाड़ी क्षेत्र
- राजस्थान की प्राकृतिक संरचना का आधार है --- अरावली पर्वत
- कर्क रेखा राज्य के दक्षिण भाग से निकलती है अर्थात राजस्थान कर्क रेखा के उतर में स्थित है।
- ऊपरमाल : भीलवाड़ा जिले के मध्य व पूर्वी भाग, चितौड़गढ तहसील व बूंदी जिले के पश्चिमी भाग पर विस्तृत क्षेत्र ऊपरमाल कहलाता है जो आर्द्र प्रदेश होने के कारण कृषि की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
- गिरवा : उदयपुर के चारों ओर स्थित तश्तरीनुमा पहाड़ियों का क्षेत्र
- हाड़ौती का पठार मुख्यत: किन दो जिलों में है --- कोटा-बूंदी
- दक्कन का लावा पठार मुख्यत: चितौड़गढ, बांसवाड़ा व झालावाड़ जिले में फैला हुआ है।
- खादर : चंबल बेसिन से 5 से 30 मीटर गहरी खड्ड युक्त बीहड़ भूमि (राजस्थान में बीहड़ भूमि का सर्वाधिक विस्तार सवाई माधोपुर जिले में है)
- राजस्थान

सबसे उतरी सीमा	- 23°3' उतरी अक्षांश
सबसे दक्षिणी सीमा	- 30°12 उतरी अक्षांश
सबसे पश्चिमी सीमा	- 69°30' पूर्वी देशांतर
सबसे पूर्वी सीमा	- 78°17 पूर्वी देशांतर

- राजस्थान का उतर-दक्षिण अक्षांशीय विस्तार --- 7°9'
- राजस्थान का पूर्व-पश्चिम देशांतरीय विस्तार --- 8°47'
- राजस्थान की दक्षिण-पश्चिम सीमा अरब सागर व कच्छ की खाड़ी के सर्वाधिक निकट है

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary
Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

- राजस्थान के सबसे पूर्वी छोर (धौलपुर) व सबसे पश्चिमी छोर (जैसलमेर) के मध्य समयान्तराल रहता है ---- लगभग 35 मिनट (8 47 गुणा 4)
  (पूर्व से पश्चिम की ओर प्रति देशांतर 4 मिनट समय आगे होता है)

राजस्थान का क्षेत्रफल

- राजस्थान का क्षेत्रफल
  वर्ग किमी में -- 342239 वर्ग किमी
  वर्ग मील में -- 132435 वर्ग मील
- छतीसगढ गढ के गठन के पश्चात राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया
- राजस्थान का भौगोलिक क्षेत्रफल देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 10.41 प्रतिशत (लगभग 10वां भाग)
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य कब बना --- 1 नवंबर 2000 को
- क्षेत्रफल की दृष्टि से
  राजस्थान का सबसे बड़ा जिला - जैसलमेर (38401 वर्ग किमी)
  राजस्थान का दूसरा बड़ा जिला - बाड़मेर (28387 वर्ग किमी)
  राजस्थान का सबसे छोटा जिला - धौलपुर (3034 वर्ग किमी)
  राजस्थान का दूसरा सबसे छोटा जिला - दौसा
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान के 10 बड़े जिले (क्रमानुसार)
  जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर-जोधपुर-नागौर-चुरू-हनुमानगढ-पाली-जयपुर-उदयपुर
- क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान के 7 सबसे छोटे जिले (क्रमानुसार)
  धौलपुर-दौसा-डूंगरपुर-बांसवाड़ा-राजसमंद-करौली-सवाई माधोपुर
- क्षेत्रफल की दृष्टि से दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के चार जिले कमशः
  बारां-झालावाड़-बूंदी-कोटा
- क्षेत्रफल के घटते कम में
  जालौर-भीलवाड़ा-अजमेर-अलवर-गंगानगर-सीकर-टोंक-बारां-झालावाड़-झुंझुनू-बूंदी-कोटा-सिरोही-उदयपुर
- क्षेत्रफल की दृष्टि से लगभग समान जिलों का युग्म
  अजमेर-अलवर; गंगानगर-सीकर; टोंक-बारां;
  बूंदी-कोटा; दौसा-धौलपुर; सिरोही-भरतपुर-सवाई माधोपुर-करौली
- क्षेत्रफल की दृष्टि से जैसलमेर जिला धौलपुर से लगभग कितने गुणा बड़ा है --- 12.66 गुणा
- राजस्थान के सबसे बड़े जिले जैसलमेर का क्षेत्रफल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का कितना है --- 11.22 प्रतिशत
- राजस्थान के कितने जिलों का क्षेत्रफल
  30 या 35 हजार वर्ग किमी से ज्यादा है - 1 (जैसलमेर)
  25 हजार वर्ग किमी से ज्यादा है - 3 (जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर)
  20 हजार वर्ग किमी से ज्यादा है - 4 (जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर-जोधपुर)
  15 हजार वर्ग किमी से ज्यादा है - 6 (जैसलमेर-बाड़मेर-बीकानेर-जोधपुर-नागौर-चुरू)
  5 हजार वर्ग किमी से कम है - 5 (धौलपुर-दौसा-डूंगरपुर-बांसवाड़ा-राजसंमद)
- राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से अधिकांश बड़े जिला किस क्षेत्र में आते है --- पश्चिमी क्षेत्र में
- जैसलमेर+बाड़मेर+बीकानेर+जोधपुर का कुल क्षेत्रफल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का एक तिहाई (1/3) है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रथम 8 जिलों का कुल क्षेत्रफल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल के आधे से भी ज्यादा है अर्थात शेष सभी 25 जिलों का कुल क्षेत्रफल से ज्यादा है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से 8 सबसे छोटे जिलों का कुल क्षेत्रफल भी जैसलमेर से कम है।
- राजस्थान के किन किन जिलों का क्षेत्रफल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 1 प्रतिशत भी नहीं है --- धौलपुर-दौसा

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

जिला गठन

- राजस्थान के पूर्ण एकीकरण के समय कुल जिले थे --- 26
- पूर्ण एकीकरण के बाद सर्वप्रथम गठित जिला है --- धौलपुर

क्र.सं.	जिला क्रमांक	जिला	गठन वर्ष	पुनर्गठित जिला
1	27वां	धौलपुर	15 अगस्त 1986	-
2	28वां	दौसा	10 अप्रेल 1991	जयपुर
3	29वां	बारां	10 अप्रेल 1991	कोटा
4	30वां	राजसमंद	10 अप्रेल 1991	उदयपुर
5	31वां	हनुमानगढ	12 जुलाई 1994	गंगानगर
6	32वां	करौली	19 जुलाई 1997	सवाईमाधोपुर
7	33वां	प्रतापगढ	26 जनवरी 2008	चितौड़गढ-बांसवाड़ा-उदयपुर

-
- 26 जनवरी 2008 को प्रतापगढ राज्य का 33वां जिला बन गया (प्रतापगढ का गठन चितौड़गढ के प्रतापगढ व छोटी सादड़ी, उयपुर के धरियावाद व बांसवाड़ा के नारनौल क्षेत्रों को मिलाकर किया गया) - इस प्रकार प्रतापगढ के गठन में चितौड़गढ, उदयपुर व बांसवाड़ा जिलों का पुनर्गठन किया गया।
- 26 जनवरी 2008 को पुनर्गठित जिला/जिले है

(अ)प्रतापगढ (ब)चितौड़गढ (स)उदयपुर (द)चितौड़गढ-बांसवाड़ा-उदयपुर उत्तर(द)

राजस्थान के संभाग

- अलवर जिला किस संभाग में आता है --- जयपुर संभाग
- राज्य सरकार द्वारा 4 जून 2005 को गठित 7 वां संभाग --- भरतपुर संभाग
- भरतपुर संभाग का गठन किन दो संभागों से किया गया है --- जयपुर (भरतपुर-धौलपुर)व कोटा (करौली-सवाईमाधोपुर)
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग --- जोधपुर संभाग (117801 वर्ग किमी)
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग --- भरतपुर संभाग
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग --- जयपुर संभाग
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग --- बीकानेर संभाग
- क्षेत्रफल की दृष्टि से तीन सबसे बड़े संभाग --- जोधपुर-बीकानेर-अजमेर
- क्षेत्रफल की दृष्टि से तीन सबसे छोटे संभाग --- भरतपुर-कोटा-जयपुर
- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला संभाग --- जयपुर
- किन दो संभागों का क्षेत्रफल लगभग समान है --- उदयपुर-जयपुर
- सर्वाधिक साक्षरता वाला संभाग --- जयपुर
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाला संभाग --- उदयपुर
- क्षेत्रफल की दृष्टि से कोटा संभाग का सबसे बड़ा जिला --- बारां
- क्षेत्रफल की दृष्टि से कोटा संभाग का सबसे छोटा जिला --- कोटा
- कौनसा संभाग अन्य सभी 6 संभागों का सीमावर्ती है --- अजमेर
- हरियाणा, उतरप्रदेश व मध्यप्रदेश तीनों का सीमावर्ती संभाग है --- भरतपुर संभाग
- मध्यप्रदेश से 4 संभागों की सीमा लगती है

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर

Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर
Click Here to Visit www.RajasthanAtlas.com Click Here to Visit www.SamanyaAdhyayan.com

क्र.सं.	संभाग	शामिल जिले	कुल जिले
1	जोधपुर	जोधपुर-बाड़मेर-जैसलमेर-जालौर-सिरोही-पाली	6
2	उदयपुर	उदयपुर-डूंगरपुर-बांसवाड़ा-प्रतापगढ-राजसमंद-चितौड़	6
3	जयपुर	सीकर-झुंझुनू-जयपुर-दौसा-अलवर	5
4	बीकानेर	बीकानेर-गंगानगर-हनुमानगढ-चुरू	4
5	कोटा	कोटा-बूंदी-बारां-झालावाड़	4
6	अजमेर	नागौर-अजमेर-टोंक-भीलवाड़ा	4
7	भरतपुर	भरतपुर-धौलपुर-करौली-सवाईमाधोपुर	4

- राजस्थान के पूर्ण एकीकरण के समय 5 संभाग थे। छठा संभाग जयपुर 1987 में व सातवां संभाग भरतपुर 2005 में अस्तित्व में आया।
- जोधपुर संभाग का क्षेत्रफल राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 34.4 प्रतिशत है।
- जोधपुर संभाग भरतपुर संभाग से लगभग 6.5 गुणा बड़ा है।
- वर्ष 1987 में संभाग व्यवस्था पुनः प्रारंभ की गई।

	पूर्वी राजस्थान	पश्चिमी राज.	उत्तरी राजस्थान	दक्षिण राज.	दक्षिण-पूर्वी राज.	राजस्थान में
क्षेत्रफल से सबसे बड़ा	जयपुर	जैसलमेर	बीकानेर	उदयपुर	बारां	जैसलमेर
क्षेत्रफल में सबसे छोटा	धौलपुर	सिरोही	गंगानगर	डूंगरपुर	कोटा	धौलपुर

राजस्थान सामान्य परिचय
Free Gift From 'Rajasthan Atlas'
Booklet 1
Visit Us www.RajasthanAtlas.com
Bharat Choudhary
Download करे हजारो Study Material PDF मे केवल SarkariHelp.com पर